इस साल देश में चीनी का उत्पादन 7 फीसदी घटेगा

बीएस संवाददाता
मुंबई, 28 सितंबर

महाराष्ट्र और कर्नाटक में गन्ने के उत्पादन में भारी कमी के कारण पेराई सीजन 2016-17 में देश में चीनी उत्पादन 7 फीसदी घटने के आसार हैं। इस क्षेत्र की शीर्ष औद्योगिक संस्था भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) ने आज अपने पहले अग्रिम अनुमान में यह पूर्वानुमान जताया है। गन्ने के रकबे की सितंबर के दूसरे सप्ताह में ली गई उपग्रह तस्वीरों के आधार पर इस्मा ने अनुमान जताया है कि एक अक्टूबर 2016 से शुरू हो रहे आगामी पेराई सीजन के दौरान देश में चीनी उत्पादन 233.7 लाख टन रहेगा, जबकि पिछले साल चीनी उत्पादन 251 लाख टन रहा था।

इस साल जुलाई में इस्मा ने चीनी सत्र 201-17 में उत्पादन के प्रारंभिक अनुमान जारी किए थे। ये अनुमान जून में ली गईं उपग्रह तस्वीरों के पहले सर्वेक्षण पर आधारित थे। इसमें 232.6 लाख टन चीनी उत्पादन का अनुमान जताया गया था। इस्मा ने आज एक विज्ञप्ति में कहा, 'सितंबर 2016 की उपग्रह तस्वीरों के आधार पर इस्मा ने गन्ने का रकबा 49.99 लाख हेक्टेयर रहने का अनुमान जताया है, जो चीनी सत्र 2015-16 से करीब 5 फीसदी कम है।' लगातार दो साल सूखे के कारण महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन करीब एक चौथाई घटेगा। राज्य में चीनी सत्र 2016-17 में चीनी उत्पादन 62.2 लाख टन रहने का अनुमान है, जो पिछले साल 84.1 लाख टन था। इससे महाराष्ट्र चीनी उत्पादन के मामले में नीचे खिसककर दूसरे पायदान पर आ जाएगा। उत्तर प्रदेश चीनी उत्पादन में अव्वल हो जाएगा। उत्तर प्रदेश में चीनी सत्र 2016-17 में उत्पादन 12 फीसदी बढ़कर 76.7 लाख टन रहने का अनुमान है, जो पिछले साल 68.4 लाख टन रहा था। रोचक बात यह है कि इस्मा के सर्वेक्षण में कर्नाटक में चीनी उत्पादन 22 फीसदी घटकर 31.9 लाख टन रहने की बात कही गई है, जबकि पिछले साल कर्नाटक में चीनी उत्पादन 40.7 लाख टन रहा था। तमिलनाडु में चीनी उत्पादन 12 फीसदी बढ़कर 15.6 लाख टन रहने का अनुमान है जो पिछले साल 13.9 लाख टन रहा था।

10 लाख टन चीनी आयात

भारत 2016-17 में 10 लाख टन चीनी का आयात कर सकता है। इसकी वजह यह है कि देश में चीनी की खपत आपूर्ति से अधिक हो सकती है। लुइस ड्रेफस कमोडिटीज में चीनी कारोबारी बेनोइट बोइसलेक्स ने बुधवार को यह बात कही। बोइसलेक्स ने नई दिल्ली में किंग्समैन एशिया शुगर कॉन्फ्रेंस में कहा कि वर्तमान कीमतों के आधार पर हमें 10 लाख टन आयात के आसार नजर आ रहे हैं। लुइस ड्रेफस का अनुमान है कि 2016-17 में भारत में चीनी की खपत 255 लाख टन रहेगी, जबकि उत्पादन करीब 225 लाख टन रहेगा। *रॉयटर्स*

Business Standard
29-9-16